ऑनलाइन शिक्षा बन रही है विद्याथियों के लिए वरदान–

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुये पूरे देश में लॉकडाउन–2.0 लागू कर दिया गया है। इसके चलते स्कूल–कॉलेज, विश्वविद्यालय से लेकर मॉल, बाजार और कोचिंग संस्थान तक सब बंद हैं। ऐसे में जिन संस्थानों ने अपने छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षायें संचालित की है, उन ऑनलाइन संचालित कक्षाओं में छात्रों का रूझान व रूचियाँ, दोनों तेजी से बढ़ रही है जिसके परिणाम स्वरूप इन ऑनलाइन कक्षाओं में 85 से 90 फीसदी उपस्थिति दर्ज हो रही है और इन छात्रों का पठन–पाठन भी इनके पाठ्यक्रम के अनुरूप सुचारु रूप से पूरा हो रहा है।

इस कठिन दौर में उन छात्रों को पूरा लाभ मिल रहा है जो छात्र ऐसे संस्थानों से पढ़ रहे है, जहाँ सूचना प्रौद्योगिकी का इन्फ्रास्ट्रक्चर पहले से काफी एडवांस बनाया गया था। जिन संस्थानों ने पहले से ही रीले–कक्ष, पूर्णतया डिजिटलाईज्ड पाठ्यक्रम पर आधारित प्री–रिर्कोडिंग व्याख्यान, सॉफ्टवेयर बेस्ड एप्लिकेशन, ऑन–लाइन लाइव इन्टरैक्शन हेतु तकनीक या जूम या गुगल प्लेटफार्म पर विद्याथियों के साथ सम्पर्क का पूरा ढांचा तैयार कर रखा था, ऐसे संस्थानों के विद्याथियों को घर बैठे उनकी ऑनलाइन कक्षायें संचालित हो रही है और साथ ही साथ उनकी नियमित उपस्थिति भी दर्ज हो रही है। इस प्रणाली के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने का अनुभव भी विद्यार्थियों को काफी पसन्द आ रहा है।

यह कोविड–19 विश्व के साथ ही साथ भारत में भी शिक्षा जगत में बहुत बदलाव की पूरी पृष्ठभूमि को तैयार कर दिया है।

भारतीय शिक्षण म अब हमें तीन बिन्दुओं पर बारोकी से समझना होगा।

प्रथम बिन्दु– कोविड–19 के पूर्व शिक्षा व पठन–पाठन

द्वितीय बिन्दु– कोविड–19 के दौरान शिक्षा व पठन–पाठन

तृतीय बिन्दु– कोविड–19 के बाद शिक्षा व पठन–पाठन

प्रथम बिन्दु यानि कोरोना के पहले समूचे भारत में पारम्परिक शिक्षा व्यवस्था पर जोर दिया जाता था, यानि विद्यार्थी नियमित रूप से व्याख्यान कक्ष में उपस्थित होकर परिसर के अन्दर कक्षायें प्राप्त करते थे। शायद कभी भी किसी ने नहीं सोचा होगा कि कभी ऐसा भी वैश्विक स्तर पर महामारी आयेगी और इस सदियों पुरानी शिक्षा प्रणाली को पूर्णतया ध्वस्त कर देगी। शायद यही वजह रही होगी जिससे ज्यादातर शिक्षण संस्थानों ने स्वयं को ऑन–लाइन कक्षायें संचालित करने की प्रक्रिया में तकनीकी रूप से सक्षम नही बनाया।

दूसरा बिन्दु कोरोना के दौरान–

अब जब लॉकडाउन में सब बन्द है और विद्यार्थी अपने घरों में कैद हो गये है तो जिन संस्थानों ने अपने आप को ऑनलाइन क्लासेज़ के लिए सुसज्जित कर रखा था, उन्होंने अपने छात्रों को ऑनलाइन कक्षायें तुरन्त शुरू कर दिया और सभी छात्रों को उनके पाठ्यक्रम के अनुरूप कक्षायें मिलने लगी।

इसी श्रृंखला में जब हमने यहाँ देहरादून में लॉकडाउन के दौरान अपने छात्रों के लिए ऑनलाइन लाइव कक्षायें प्रारम्भ करने वाले संस्थान इन्स्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट यानि आई.टी.एम. कॉलेज, देहरादून के चेयरमैन श्री निशांत थपलियाल जी से बातचीत की तो उन्होंने आई.टी.एम. कॉलेज की तैयारियों पर बड़े ही विस्तार से प्रकाश डालते हुये बताया कि इस वर्तमान चुनौती के समय में ऑनलाइन शिक्षण ही विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हो रही है। हमारे यहाँ संस्थान में पूर्णतया डिजिटलाइज़ स्टडी मैटेरियल, पीपीटीज, पी.डी.एफ., प्री रिकार्डेड वीडियो लेक्चर्स, सॉफ्टवेयर बेस्ड टिचिंग डिजिटल असाइन्मेंट्स पर काम हमेशा ही चलता रहता है। हमारी पहले की इन्हीं तैयारियों ने हमें अपने विद्यार्थियों के लिए आसानी से ऑनलाइन शिक्षण प्रारम्भ करने में अभूतपूर्ण सहयोग दिया। आज हमारी ऑनलाइन कक्षायें प्रतिदिन संचालित हो रही है और सबसे बड़ी बात इसमें 85 से 90 फीसदी विद्यार्थियों की उपस्थिति हमारे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि स्वरूप है। साथ ही साथ गुणवत्ता बनाये रखने के लिए एक मॉनिटरिंग कमेटी है जिसकी देख–रेख में ये यह पूरी प्रक्रिया संचालित हो रही है। आई.टी.एम. कॉलेज, देहरादून सिर्फ ऑनलाइन कक्षायें ही नही संचालित कर रहा है बल्कि अपने विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन जॉब इंटरव्यू भी करा रहा है। अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कुल चार चरण में जॉब इंटरव्यू संचालित होंगे, जिसमें अभी वर्तमान में बी.बी.ए और बी.कॉम. के अन्तिम वर्ष में पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए ''इन्वेस्टोस्योर'' नामक संस्था की कैम्पस ड्राइव ऑनलाइन रिक्रूटमेंट शुरू होगा।

साथ ही साथ श्री थपलियाल जी ने बताया कि हमने सबसे पहले ऑनलाइन कक्षायें प्रारम्भ की जिसका परिणाम यह है कि आज हमारे सभी छात्र पूर्णतया सतुष्ट है तथा अपने आई.टी.एम. कॉलेज में दाखिले के निर्णय को जीवन का सबसे अच्छा निर्णय मान रहे हैं।

संस्थान ने इसी श्रृंखला में एक ओर कदम उठाया है जिसमें आगामी नये सत्र के लिए नये विद्यार्थी अपना पंजीकरण करा कर अपने मनचाहे पाठ्यक्रम जैसे बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.एस.सी.आई.टी., बी.कॉम (आनर्स), बी.कॉम–कम्प्यूटराइज्ड एकाउन्टिग, बी.एच.एम.–होटल मैनेजमेंट, डी.एच.एम–होटल मैनेजमेंट, बी–लीव, एम.–लीव, एम.कॉम, बी.एस.सी.–एनिमेशन, बी.ए.–मास कम्यूनिकेशन जैसे पाठ्यक्रमों की प्रारम्भिक ऑनलाइन कक्षायें प्राप्त कर सकते है इससे ना ही इन नये सत्र क छात्रों का सत्र ही पिछडेगा और ना ही इनका कोर्स पीछे रहेगा। प्रतिदिन ऑनलाइन आई.टी.एम. 124 लेक्चर यानि व्याख्यान अपने विद्यार्थियों को उपलब्ध करा रहा है जिसमें 40 से ज्यादा फैकल्टी मिलकर 15 से ज्यादा प्रोग्रामिंग प्रतिदिन कर रही है। ऑनलाइन शिक्षा देने हेतु संस्था ने तीन डडिकेटड सर्वर ले रखे है, जिसमें से दो सर्वर ऑनलाइन शिक्षा देने हेतु और एक सर्वर ऑनलाइन परीक्षा हेतु काम में लिया जा रहा है।

ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम सुलभ व सुगम तकनीक का उपयोग कर नई शिक्षण तकनीकों के साथ नित नये–नये प्रयोग भी किये जा रहे है जिससे कि इसमें और विविधता लायी जा सके। ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली कई संचार मोड का उपयोग करके शिक्षको और छात्रों, दोनों को आपस में विचारों और

जानकारियों का आदान–प्रदान करने में पाठ्यक्रमों पर, परियोजनाओं पर कहीं भी, कभी भी प्राप्त किया जा सकता है।

तृतीय बिन्दु– कोरोना के खत्म होने के बाद शिक्षा व्यवस्था–

अब यहाँ से ऑनलाइन शिक्षण की दिशा में बदलाव देखने को मिलेगा। बैंकिंग, शिक्षण, ई.कामर्स से लेकर तमाम तरह की सेवाऐं देने वाली कंपनियों को ऑनलाइन सर्विस का महत्व बहुत अच्छे से समझ में आ गया है।

भविष्य म जब भी कोरोना से हालात अच्छे होगी और परिस्थितियाँ सामान्य होगी तो वहीं संस्थान आगे बढ़ेंगे अथवा विकास करेंगे तो अपनी शिक्षण व्यवस्था में 70–30 या 65–35 का फार्मूला अपनाकर काम करेंगे। यानि 70 फीसदी कक्षायें पारम्परिक रूप से और 30 फीसदी कक्षायें ऑनलाइन मोड़ में या 65 फीसदी कक्षायें पारम्परिक और 35 फीसदी कक्षायें ऑनलाइन मोड़ में। इसस सबसे बड़ा फायदा विद्यार्थियों को होगा – जैसे– शनिवार, रविवार और छुट्टियों के दिनों में जब संस्थान बंद होता है ऐसे में ये विद्यार्थी घर में ही अपनी कक्षायें ऑनलाइन मोड़ में लेकर अपनी पढ़ाई और गुणवत्ता पूर्ण तरीके से कर सकेंगे।

उन्नत तकनीक हर क्षत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्नत प्रौद्योगिकी अब कोरोना के दौरान व बाद में भी शिक्षा प्रदान करने के तरीकों में भी बदलाव करेगीं और शिक्षण संस्थान पारम्परिक तरीके के साथ–साथ ऑनलाइन मोड़ से कक्षायें संचालित कर अपने विद्यार्थियों को हर स्थिति–परिस्थति से सामना करने हेतु सक्षम बनायेंगे।

इस वर्तमान समय में यह ऑनलाइन मोड़ सभी विद्यार्थियों के लिए एक वरदान साबित हो रहा है और हमें आई.टी.एम. कॉलेज जैसे संस्थानों का आभारी होना चाहिए जो कि दूसरों के लिए एक मिसाल के रूप में स्थापित हो सकें।